ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-२७
दिनांक-शुक्रवार, ५ अप्रैल,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३३.१ एवं १८.९ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ५.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २४.५ एवं दोपहर में ३२.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(६ से १० अप्रैल ,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ६ से १० अप्रैल, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पुर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में हल्के से मध्यम बादल देखें जा सकते है। इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के तराई तथा मैदानी भागों में ६ से ७ अप्रैल के आसपास हल्की वर्षा की संभावना है। वर्षा के दौरान हवा की गति थोड़ी अधिक रह सकती है।
- अधिकतम तापमान ३१ से ३३ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान १८ से २० डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ८-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- ६-७ अप्रैल में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई गेहुँ की तैयार फसलो की कटनी-दौनी में सावधानी बरतें। कटे हुए फसलों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की व्यवस्था कर लें। खड़ी फसलो में सिंचाई स्थगित रखे। बसंतकालीन मक्का, सुर्यमुखी, प्याज एवं सब्जियोंवाली फसलों में कीटनाशकों का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक-थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट ३० ई०सी० दवा का १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट की निगरानी करें। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। हरे रंग के छोटे कीट शिशु व प्रौढ दोनो भिण्डी की पत्तियों के निचले हिस्से में रहते है और रस चुसते है जिसके फलस्वरूप पत्तियॉ किनारे से पिली होकर सिकुड़ती है तथा प्यालानुमा आकार बनाकर धीरे धीरे सुखने लगती है। फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- लाल भृंग कीट से लत्तीदार सब्जियों की फसल को काफी नुकसान होता है। इस कीट के पीठ का रंग नारंगी लाल तथा अधर भाग का रंग काला होता है। इसके शिशु फसल की जड़ को तथा व्यस्क पत्तियों एवं फुलों को हानी पहुचाते है। इससे बचाव के लिए डाइक्लोरवॉस ७६ इ०सी० का १ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से घोलकर छिड़काव करे।
- आम में मटर के दाने के बराबर फल लग चुके है। इस अवस्था में इमिडाक्लोरप्रीड (१७.८ एस०एल०)/१ मि०ली० दवा प्रति २ लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल १ ग्राम/२ लीटर पानी या डाइनोकैप (४६ ई०सी०) १ मिली दवा प्रति १ लीटर पानी में घोलकर छिड़कने से मधुवा एवं चूर्णिल आसिता की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा/१ मिली प्रति ३ लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई प्राथमिकता देकर सम्पन्न करें। खेत की जुताई में २० किलो ग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी ३० x१० से०मी० रखें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। बीज ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३२.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.८ डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः १९.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी